महत्वपूर्ण एवं खास

तकनीकी खराबी आने से इंडिगो की इंदौर फ्लाइट नहीं भर पाई उड़ान

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर से इंदौर के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण टेक ऑफ नहीं कर पाई. करीब एक घंटे के मशक्कत के बाद भी जब इंजीनियरों की टीम खराबी दूर नहीं कर पाई, तब कहीं जाकर यात्रियों को विमान से बाहर उतारा गया। इस दौरान यात्री हलाकान होते रहे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर से इंदौर जाने वाली फ्लाइट उड़ान के लिए तैयार थी, लेकिन टेक ऑफ के ठीक पहले फ्लाइट कैप्टन और विमान चालक के दलों को विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी का पता चल गया। उन्होंने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। इसके बाद एटीसी ने उन्हें उड़ान की अनुमति नहीं दी। फ्लाइट को रन-वे से वापस टैक्सी करते हुए, तत्काल तकनीशियनों को बुलाया गया और तकनीकी खराबी दूर करने का प्रयास किया गया। लेकिन करीब एक घंटे बाद भी तकनीकी दिक्कतों को दूर नहीं किया जा सका।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने चुनाव संचालन समिति का किया गठन

रायपुर (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए प्रदेश चुनाव समिति के गठन के प्रस्ताव को तत्कालप्रभाव से मंजूरी दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार चुनाव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, मोहम्मद अकबर, डॉ. शिवकुमार डहरिया, अनिला भेड़िया, जय सिंह अग्रवाल, मोहन मरकाम, गुरूरुद्रकुमार, धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, अमितेश शुक्ला, विकास उपाध्याय, राजेश तिवारी, पारस चोपड़ा, अध्यक्ष प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी, अध्यक्ष प्रदेश युवक कांग्रेस, अध्यक्ष प्रदेश एनएसयूआई एवं मुख्य संगठक सेवादल समिति शामिल हैं। उक्त सूची अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल से अनुमोदित कराई गई है।

सहारा रिफण्ड पोर्टल से लाखों लोगों को मिलेगा लाभ

कोरबा (आरएनएस)। भाजपा नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने सहारा इंडिया में फंसे निवेशकों के करोड़ों रूपये की वापसी का मार्ग प्रशस्त होने पर केंद्र सरकार तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का धन्यवाद ज्ञापित किया है। नेता प्रतिपक्ष हितानंद ने कहा कि सहारा इंडिया के निवेशकों एवं अभिकर्ताओं की समस्याओं का शीघ्र निराकरण की मांग बिलासपुर सांसद अरुण साव ने लोकसभा में रखा था। साव ने लोकसभा में नियम 377 के तहत इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने लोकसभा में कहा था कि छग एवं देश के लाखों लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा सहारा इंडिया के विभिन्न योजनाओं के तहत जमा कराये हैं परन्तु आज वे अपने जमा पैसे को वापस प्राप्त करने के लिए दर दर की ठोकर खाने मजबूर हैं। सहारा ने सेबी के खाते में 24 हजार करोड़ की राशि जमा कर दिया है किंतु निवेशकों को उनकी राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है जिससे निवेशकों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इस विवाद के कारण हजारों अभिकर्ताओं के सामने जीवन यापन का संकट उठ खड़ा हुआ है।

चचिया परिसर बना हाथियों का बसेरा

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कोरबा अंतर्गत कुदमुरा रेंज का वनपरिसर चचिया इन दिनों हाथियों का बसेरा बना हुआ है। यहां 12 की संख्या में हाथी घूम रहे हैं। जो पिछले कई दिनों से डेरा डाले हुए हैं। हालांकि हाथियों ने यहां अपनी मौजूदगी के दौरान कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है। फिर भी हाथियों के उत्पात की संभावना लगातार बनी हुई है, जिससे ग्रामीण काफी भयभीत है। वन विभाग द्वारा हाथियों को खदेड़ने के लिए कोशिश की जा रही है लेकिन इसमें सफलता नहीं मिल पा रही है। वन विभाग द्वारा खदेड़े जाने पर हाथी कुछ दूर आगे मूवमेंट करते हैं, लेकिन फिर वापस लौट जाते है। हाथियों के मौजूदगी से खतरा बढ़ गया है।

आज बम-बम भोले के जयकारों से गुंजायमान होगा भूतेश्वरनाथ धाम

❑ इस बार दो माह का होगा सावन, 19 साल बाद बन रहा संयोग

गरियाबंद (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भूतेश्वर नाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों की तरह छत्तीसगढ़ में एक अर्धनारीश्वर प्राकृतिक शिवलिंग भूतेश्वर महादेव के नाम से विख्यात है।सावन के हर सोमवार को भक्तों द्वारा भूतेश्वर महादेव में जल अभिषेक कर पूजा अर्चना किया जाता है।इस जल अभिषेक और पूजा अर्चना के लिये सैकड़ो किलोमीटर दूर से कावडियों का दल विभिन्न वेशभूषा में रविवार से ही नगर में पहुंचने लगे है जो रात नगर में व भूतेश्वर धाम के नजदीक ग्राम पारा गाँव में विश्राम के पश्चात सोमवार सुबह ही दर्शन कर जलाभिषेक करेंगे। इस बार सावन में आठ सोमवार पड़ रहा हैं।10 जुलाई के बाद 17 जुलाई, 24 और 31 जुलाई,7 अगस्त,14 अगस्त, 21 और 28 अगस्त को सोमवार पड़ रहा है।गरियाबंद जिले में विराजित विश्व प्रसिद्ध भूतेश्वरनाथ में सावन के पहले पहले दिन सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली दूर-दूर से लोग भगवान भूतेश्वरनाथ के दर्शन-पूजन करने पहुंचे हैं।मान्यता है कि भूतेश्वरनाथ शिवलिंग आज भी बढ़ रहा है. हरी-भरी प्राकृतिक वादियों के बीच गरियाबंद से महज 3 किलोमीटर दूर अद्भुत अकल्पनीय सा दिखता यह शिवलिंग शिव भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है जहां सोमवार को भक्तों का मेला लगेगा।

पूरे सावन माह में जल चढ़ाने लगता है लाखों कावडियो का तांता- सावन माह में यहां दूर-दूर से भक्त जल लेकर भगवान शिव अर्पित करने पहुंचे हैं।भोले बाबा भी उनकी मन मांगी मुराद जरूर पूरी करते हैं.यही कारण है कि बीते 8 -10 सालों में यहां पहुंचने वाले भक्तों की संख्या में कई गुना इजाफ़ा हो रहा है।सावन के तीसरे चौथे सप्ताह में यहाँ अलग अलग वेषभूषाओं में कावडियो की अपार भीड़ देखने को मिलती है सावनभर यहां भक्तों और कांवरियों का रेला लगा रहता है।वही महाशिवरात्रि के दिन लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।द्वादश ज्योतिर्लिंगों की भांति छत्तीसगढ़ में यह एक विशाल प्राकृतिक शिवलिंग है,जो विश्व प्रसिद्ध विशालतम शिवलिंग के नाम से प्रसिध्द है।ऐसी मान्यता है कि यह शिवलिंग हर साल अपने आप में बढ़ता जा रहा है. छत्तीसगढ़ी भाषा में हुंकारने की आवाज को भकुर्रा कहते हैं,इसी से छत्तीसगढ़ी में इनका नाम भकुर्रा पड़ा है। यहां हर वर्ष महाशिवरात्रि और सावन माह पर्व पर मेले जैसा माहौल रहता है. यहां पर दूर दराज से भक्त आकर महादेव की अराधना करते हैं.भगवान भूतेश्वरनाथ घने जंगलो के बीच ग्राम मरौदा में विराजमान है।

1959 गोरखपुर से प्रकाषित धार्मिक पत्रिका कल्याण के वार्षिक अंक के पृष्ट क्रमांक 408 में है उल्लेखित- इस शिवलिंग का पौराणिक महत्व सन 1959 में गोरखपुर से प्रकाषित धार्मिक पत्रिका कल्याण के वार्षिक अंक के पृष्ट क्रमांक 408 में उल्लेखित है, जिसमें इसे विश्व का एक अनोखा महान एवं विषाल शिवलिंग बताया गया है. यह जमीन से लगभग 72 फीट उंचा एवं 210 फीट गोलाकार है. यहां मान्यता है कि सच्चे मन से जो भी मनोकामना की जाती है वह पूरी होती है.

इसलिए पड़ा नाम- यह समस्त क्षेत्र गिरी (पर्वत) तथा वनों से आच्छादित है. इसे गिरिवन क्षेत्र कहा जाता था, लेकिन कालांतर में गरियाबंद कहलाया जाता है.गाँव के बुजुर्गों का कहना हैं कि पहले यह टीला छोटे रूप में था।धीर-धीरे इसकी ऊंचाई व गोलाई बढ़ती गई। जो आज भी जारी है। भूमि,जल,अग्नि,आकाश और हवा पंचभूत कहलाते हैं.इन सबके ईश्वर भूतेश्वर हैं।समस्त प्राणियों का शरीर भी पंचभूतों से बना है।इस तरह भूतेश्वरनाथ सबके ईश्वर हैं. उनकी आराधना/ सम्पूर्ण विष्व की आराधना है. भुतेश्वरनाथ प्रांगण अत्यंत विशाल है. यहां पर गणेश मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, राम जानकी मंदिर, यज्ञ मंडप, दो सामुदायिक भवन, एक सांस्कृतिक भवन तथा बजरंग बली का मंदिर है. भुतेश्वरनाथ समिति तथा अनेक श्रध्दालुओं द्वारा यह निर्माण हुए हैं, जो भुतेश्वरनाथ धाम को भव्यता प्रदान करते हैं. वन आच्छादित सुरम्य स्थलि बरबस मन को मोह लेती है, समय-समय पर यहां भक्तजन रूद्राभिषेक कराते हैं. हर महीने यहां भक्तजनों का तांता लगा रहता है।

वन्य प्राणियों की तस्करी के मामले में एन्टीपोचिंग टीम को मिली एक और सफलता, नवरंगपुर मामले में शामिल तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद (आरएनएस)। वन्य प्राणियों की हत्या और तस्करी के मामले में उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटीपोचिंग टीम को लगातार सफलता मिल रही है।बीते कल पकड़े गए, दो आरोपी लालधर और टीकम के बयान और मोबाइल से मिले सबूत के आधार पर टीम ने एक और आरोपी संतोष मांझी को ओडिसा पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। संतोष के पास से 1 किलो 80 ग्राम पेंगोलिन स्केल (साल खपरी की छाल) बरामद हुआ है।टीम के मुताबिक संतोष मांझी नवरंग वाले प्रकरण में संलिप्त था।उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि 20 जुलाई पकड़े गए दो आरोपी लालधर पिता हरिसिंग गाड़ा और टीकम पिता नीलधर जाति गाड़ा से पूछताछ में नवरंगपुर प्रकरण में ओडिसा के तीन अन्य लोगो के शामिल होने के सबूत मिले थे। जिसके आधार पर टीम ने 21 जुलाई को ओडिसा के नवरंगपुर जिला अंतर्गत झरीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम नुवागांव निवासी संतोष मांझी व बलदेव मांझी तथा चंदाहांडी थाना क्षेत्र के ग्राम राजकोट निवासी दामूधर जोगा के यहां छापा मारा।इस दौरान बलदेव मांझी और दामूधर वहां से फरार हो गए। टीम को संतोष मांझी और पवन मांझी को नुवागांव से पकड़ने में सफलता मिली। जिसमे संतोष के पास से बरामद 1 किलो 80 ग्राम पेंगोलिन स्केल को जप्त किया गया।

उपनिदेशक वरुण जैन बताया की आरोपी ओडिसा के होने के चलते एन्टीपोचिंग टीम ने छापामार कार्यवाही के पहले 21 जुलाई को ओडिसा के झरीगांव थाना पुलिस से संपर्क कर उनकी मदद ली गई। संयुक्त रूप से कार्यवाही में संतोष मांझी, पवन मांझी को झरिगांव पुलिस थाना में सूचना देकर वन परिक्षेत्र इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर कार्यालय में पूछताछ के लिए लाया गया।रविवार को दोनो से हुई पूछताछ के बाद पवन मांझी वन अपराध में संलिप्त नही पाए जाने पर उनके परिजनों को बुलाकर छोड़ दिया गया। वही संतोष को गरियाबंद न्यायालय में पेश कर रिमांड में जेल भेज दिया गया। वही फरार आरोपी बलदेव, दामूधर, जोगा को छत्तीसगढ़ वन विभाग की एंटीपोचिंग टीम के द्वारा पतासाजी किया जा रहा है।

सुमरन ने भालू से लड़कर किया सामना

कोरबा (आरएनएस)। जंगली जानवरों से भरे पड़े पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत बांगो थाना क्षेत्र के ग्राम तिलाईडांड निवासी सुमरन साय धनवार ने अगर ताकत नहीं दिखाई होती तो शायद आज उसका अस्तित्व मिट चुका होता। अपने मित्र के साथ बकरी चराने जंगल गए सुमरन पर भालू ने हमला कर दिया। पीछे से हुए हमले के बाद सुमरन जमीन पर गिर गया और मदद के लिए अपने साथी को पुकारने लगा।

संकट की घड़ी में सुमरन का साथी पीठ दिखाकर भाग गया। प्राणों पर आई आफत को देख ग्रामीण ने दृढ़ता दिखाना तय किया। साहस दिखाते सुमरन भालू से भिड़ गया और हाथ में जो आया उसी से उसका सामना किया, जिसके बाद सुमरन की हिम्मत देखकर भालू उलटे पांव भाग गया। भालू के हमले में घायल सुमरन पैदल ही घर आया जिसके बाद उसने अपने साथी को फटकार भी लगाई। सुमरन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

दीपका खदान में हादसा : डंपर ऑपरेटर घायल

कोरबा, 23 जुलाई (आरएनएस)। दीपका खदान क्षेत्र में कार्य कर रहे एक डंपर में कोई तकनीकी खराबी आ गई। उसमें से अचानक धुआं उठने लगा। कहीं अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार न हो जाए, इस डर से उसे ऑपरेटर कर रहा डंपर ऑपरेटर नीचे कूद गया। अपनी जान बचाने के लिए उसका यह फोरी कदम काफी घातक था, जिससे उसे गंभीर चोटे आई हैं। घायल अवस्था में उसे नेहरू शताब्दि अस्पताल लाया गया, जहां उसकी गंभीर दशा को देखते हुए ऑपरेटर को बिलासपुर अपोलो रेफर कर दिया गया है। दूसरी ओर इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात यह घटना एसईसीएल दीपका विस्तार परियोजना के खदान एरिया की है। अपनी रात्रि की पाली में ड्यूटी पर पहुंचे ऑपरेटर घनश्याम कश्यप यह डंपर नंबर 101 ऑपरेट कर रहा था। भोर में सुबह करीब 4.30 बजे डंपर में कोई तकनीकी खराबी सामने आई। उसके मशीन से कुछ धुंआ उठता दिखाई दिया। इससे पहले की डंपर से उसका नियंत्रण खो जाता, उसे अपनी जान बचाकर डंपर ऑपरेटर डंपर से कूद जाना ही समझदारी लगी। यूं अचानक डंपर से कूदने के कारण ऑपरेटर के शरीर में कई जगह पर चोटे आई है।

घटना की जानकारी मिलने पर अन्य कर्मियों की मदद से बुरी तरह से घायल हुए घनश्याम को एसईसीएल के विभागीय अस्पताल नेहरू शताब्दी हॉस्पिटल गेवरा में जांच के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल में परीक्षण के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। यह घटना क्यों हुई अथवा किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के उपरांत ही मिल सकेगी।

एसआई भर्ती परीक्षा : गर्भवती अभ्यर्थी ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के एसआई भर्ती परीक्षा के लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों के लिए यह राहत की खबर है कि हाईकोर्ट ने एक गर्भवती महिला अभ्यर्थी की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य के गृह विभाग और अन्य को सुनवाई की अगली तारीख तक उप-निरीक्षक भर्ती श्रेणी में एक पद खाली रखने का निर्देश दिया है।

सूत्रों ने बताया कि याचिकाकर्ता रोशनी केरकेट्टा ने अपनी गर्भावस्था के कारण शारीरिक परीक्षण की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। जस्टिस पी सैम कोशी की बेंच ने प्रतिवादियों को दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले को 21 अगस्त से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। रोशनी केरकेट्टा ने अपने वकील शाल्विक तिवारी के माध्यम से दलील दी कि जब भर्ती प्रक्रिया चल रही थी तब उसकी शादी हो गई और बाद में वह गर्भवती हो गई। वर्तमान में, वह छह महीने की गर्भवती है, और उसकी अपेक्षित डिलीवरी की तारीख नवंबर 2023 के आसपास है। अपनी स्थिति को देखते हुए रोशनी केरकेट्टा ने अधिकारियों से शारीरिक परीक्षण को बाद की तारीख के लिए स्थगित करने का औपचारिक अनुरोध किया। लेकिन उसे सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

इसके बाद उसने 24 जुलाई, 2023 को होने वाले शारीरिक मानक परीक्षण को छह महीने के लिए स्थगित करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दो उल्लेखनीय कानूनी उदाहरणों का हवाला दिया। जिसमें कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की स्थितियों को देखते हुए शारीरिक मानक परीक्षण/शारीरिक दक्षता परीक्षा को स्थगित करने की अनुमति दी थी। पिछली सुनवाई के दौरान उप महाधिवक्ता ने कोर्ट से मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए निर्धारित करने का अनुरोध किया था। यह अतिरिक्त समय उन्हें विभाग में उच्च अधिकारियों से उचित निर्देश प्राप्त करने में सक्षम करेगा, जिससे याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई चिंताओं पर एक अच्छी तरह से सूचित और व्यापक प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

चिंगरा पगार गए एक हजार पर्यटक बाढ़ की वजह से फंसे

❑ घण्टो मशक्कत स निकले बाहर

गरियाबंद (आरएनएस)। चिंगरा पगार वाटरफ़ॉल से आधे किलोमीटर पहले नाले में बाढ़ आने के चलते चिंगरा पगार घूमने गए लगभग एक हजार लोग ऊपर पहाड़ी की ओर फसे गए है जिन्हें वापस निकालने पुलिस और प्रशासन काफी मशक्कत करनी पड़ी।ज्ञात ही कि सावन महीने में बारिश होने की वजह से चिंगरा पगार वाटरफ़ॉल अपने पूरे सवाब पर है जिसका दूर दूर से सैलानी इसका लुफ्त उठाने आ रहे है पर लगातार बारिश की वजह से आज रविवार को चिंगरा पगार वाटरफ़ॉल से आधा किलोमीटर पहले नाले में पानी सर से ऊपर हो गया जिसके चलते चिंगरा पगार गए पर्यटक शाम को लौटते वक़्त नाले के बाढ़ में फास गए जिन्हें सुरक्षित निकालने पुलिस और प्रशासन लगातार जुटी उसके बाद बड़ी मुश्किल से फसे लोगो को दूसरे रास्ते से बाहर सडक तक निकाला गया।वही देख गया की ऐसी अनहोनी को टालने के चलते पुलिस विभाग द्वारा पर्यटक स्थल से पर्यटको को बाहर निकालने शाम ढालने के पहले पांच बजे से ही वापस सडक तक निकलने कहा जाता था परन्तु सैलानियों द्वारा उनके निर्देशो को नजरअंदाज कर झरना स्थल में ही टालमटोल कर रुके रहते थे उनकी इस लापरवाही के चलते आज प्रशासन को पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर काफ़ी परेशानीयो को सामना करना पड़ रहा है।गौरतलब है कि चिंगरा पगार जिसकी प्राकृतिक सुंदरता आज पूरे राज्य में चर्चित है ,जिसके चलते रविवार को हजारों की सँख्या में पर्यटक उक्त स्थल में पहुंचे थे।वहां तक पहुंचने के लिए लोग सुबह से पहुचना प्रारम्भ कर दिए थे,जो अपने निजी वाहन को लेकर झरना स्थल तक पहुच गए जिससे मुख्यमार्ग से झरना स्थल तक वाहनों की झमघट लग गई।साथ बढ़ती भीड़ के चलते गरियाबंद यातायात और कोतवाली पुलिस सुरक्षा के लिए सुबह नौ बजे से ही मौके पर पहुच चके थे।लेकिन रविवार की हुए मूसलाधार बारिश के बाद भी यातायात और कोतवाली पुलिस सुरक्षा में लगे रहे।वही लगभग दो हजार चार पहिया वाहनों की कतार चिंगरा पगार से एक एक किलोमीटर दोनो ओर खड़ी दिखी साथ ही हजारों की सँख्या में मोटरसाइकिल भी खड़ी दिखेंइन वाहनों का ग्राम के वन सुरक्षा समिति द्वारा जो वन विभाग के अधिनस्त है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से संवरने लगे स्कूल

❑ शाला भवन मरम्मत, नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य के साथ अतिरिक्त कक्ष का हो रहा निर्माण

❑ रंगाई-पोताई कार्य गोबर से बने प्राकृतिक पेंट से, स्कूल भवन लग रहे आकर्षक

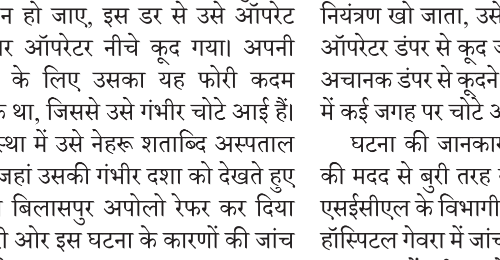

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत अब जिले के स्कूल संवरने लगे हैं। जिले में योजना अंतर्गत शाला भवन मरम्मत नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य के साथ अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप स्कूलों के कायाकल्प होने से अब बच्चों को पढ़ाई हेतु बेहतर परिवेश मिलेगा, जिससे बच्चों में पढ़ाई हेतु एक नई उमंग पैदा होगी।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में अब तक प्रदेश में 1914 स्कूल भवनों का कायाकल्प किया जा चुका है। योजना के तहत स्कूलों में छतों को सुधार, टाईल्स, दीवारों में रंग-रोगन, शौचालयों की रिपेयरिंग के साथ ही स्कूल की साज-सज्जा भी की जा रही है। जिले में स्कूलों के रंगाई का कार्य गोबर से बने प्राकृतिक पेंट से किया जा रहा है, इससे स्कूल भवन देखने में काफी आकर्षक नजर आ रहे हैं। जिन स्कूलों में कार्य पूरा हो गया है, वे बिल्कुल नए स्वरूप में नजर आ रहे हैं। इससे अब उन स्कूल के बच्चों को बेहतर परिवेश में सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्कूल भवन पहले जर्जर हालत में था, बारिश के दिनों में यहाँ के छत से पानी टपकता था, अब छत के मरम्मत होने से पूरी तरह ठीक हो गया है, इससे बच्चे भी सुरक्षित रहेंगे और पढ़ाई करने में उनका मन भी अच्छे से लगेगा। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से बच्चों को अब बेहतर स्कूल भवन मिलेगा और वे अच्छे से पढ़ाई कर सकेंगे।

योजना के तहत जिलों से पोर्टल में 29162 शालाओं की प्रविष्टि हुई है। जिसकी लागत 2133.60 करोड़ रूपये है। वर्तमान में कार्य प्रारंभ करने हेतु 477.06 करोड़ रूपये प्रथम किश्त जिलों को जारी की जा चुकी है। अब तक 1914 कार्य वर्तमान में पूर्ण हो चुके है और 14 हजार से अधिक कार्य प्रगति पर है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तवायल श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.डी.वर्मा, श्रीमती ऐश्वर्या श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर के एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हम में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्त, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ सदस्यता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।
मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।
पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार हितार्थ एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।
अन्य बिन्दु
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
Address : Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU